मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 1 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जनवरी 2019 बहाई वर्ष : 175

विश्व न्याय मन्दिर

समुदाय–निर्माण के कार्य में गहनता आने के साथ–साथ, मित्रगण अपने आस–पास के समाज की दशाओं को बेहतर बनाने के लिए अपनी नव–विकसित क्षमताओं का उपयोग करने लगे हैं, इस कार्य में उनका उत्साह दिव्य शिक्षाओं के अध्ययन से संदीप्त होता है।

–रिज़वान 2018

कर्नाटक में रूही पुस्तक–10 के अध्ययन का आयोजन

कर्नाटक के मांड्या में 24 से 26 दिसम्बर 2018 तक किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए रूही पुस्तक–10 के अध्ययन का आयोजन किया गया। तमिलनाडु के श्री सुंदर ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम में 17 वयस्कों ने भाग लिया और 15 किशोरों और बच्चों के लिए एक अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को उनकी विचार प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने में मदद की और उन्हें गणित की अवधारणाओं को फिर से देखने के लिए अवसर प्रदान किया, क्योंकि वे संख्याओं के बजाय जीवन और लोगों से जुड़ी अवधारणाएँ थीं। कार्यक्रम के दौरान बहुत सी चर्चायें हुईं, हर्ष का माहौल बना, कभी भ्रम की स्थिति बनी और फिर प्रस्तुत विचारों को समझने के लिए लंबे समय तक परामर्श चला।

बी. होसुर में शाम को गृहभ्रमण किया गया जहां 3 टीमों ने 8 घरों का दौरा किया और उनके साथ किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं अनुप्रेरक प्रशिक्षण की अवधारणाओं को साझा किया। उन्होंने युवाओं की क्षमता और उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं के सामंजस्य के बारे में भी बताया।

एक स्टडी सर्कल आरम्भ हो चुका है और दो नये किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम समूह शीघ्र ही आरम्भ किये जायेंगे। पुस्तक–1 और भाग–5 के अध्ययन के लिए युवाओं की पहचान हेतु फरवरी माह में एक अभियान चलाया जायेगा।



मांड्या में आयोजित रूही पुस्तक–10 का अध्ययन करने वाले प्रतिभागी और किशोर एवं बच्चे

सहायक मण्डल सदस्यों और संस्थान बोर्ड के साथ मांड्या की क्लस्टर विकास समिति ने कार्यक्रम की योजना बनाई और समन्वय किया। मांड्या की क्लस्टर विकास समिति द्वारा सभी लॉजिस्टिक्स, योजना, गृहभ्रमण और शिक्षण दलों की व्यवस्था की गई थी। दूर से आये हुए प्रतिभागी बी. होसुर और मांड्या में अलग–अलग बहाई मित्रों और उनके परिवार के घरों पर ठहरे।

इस अंक में

बिहार में आयोजित समीक्षा बैठकों की झलक

• राजगीर क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक राजगीर, नालन्दा में क्लस्टर संस्थान दल के मित्र श्री पुरूषोत्तम उपाध्याय की अध्यक्षता में 25 नवम्बर, 2018 को सम्पन्न हुई, जिसमें राजगीर, गंज़पर एवं नालन्दा समुदाय से कुल 75 बहाई एवं जिज्ञासु मित्रों ने भाग लिया। इस बैठक में महिलाओं एवं पुरुषों का अनुपात लगभग समान था।

उन्नत समुदाय समूह बिहार–शरीफ़ में बहुधा सभी गतिविधियों में आ रही जटिलताओं एवं यातायात की सुविधाओं के मद्देनज़र राजगीर को बिहारशरीफ़ क्लस्टर से अलग एक स्वंतत्र क्लस्टर का दर्ज़ा मिलने पर स्थानीय लोगों ने काफी हर्ष व्यक्त किया तथा राजगीर में प्रभुधर्म की विकास यात्राओं की कहानी से लोगों को अवगत कराया। शैक्षिक एवं समुदाय–निर्माण की प्रक्रियान्तर्गत संचालित सभी मूलगतिविधियों की समीक्षा के क्रम में मित्रों ने बताया कि सम्प्रति, यहाँ कुल अध्ययनवृत कक्षाओं की संख्या 3, किशोर समूह कक्षा की संख्या 2, बहाई बाल कक्षा की संख्या 6 तथा नियमित प्रार्थना सभा की संख्या 24 है, जिसमें क्रमशः 20, 18, 61 एवं 229 मित्र भाग ले रहे हैं। बैठक में उपस्थित स्थानीय अभिभावकगण ने बहाई गतिविधियों के कारण समुदाय में हो रहे सकारात्मक बदलाव के लिए कार्यरत बहाई संस्था एवं एजेंसियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त, उपस्थित सहायक मंडल सदस्य श्री शैलेन्द्र प्रसाद ने भौतिक एवं आध्यात्मिक समृद्धि पर तथा श्री रजनीश सिंह ने बहाई धर्म एवं उसकी शिक्षाओं पर अपने विचार व्यक्त किये। परिषद् सचिव, श्री ओम नमः शिवाय सिंह ने लोगों का उत्साह संवर्द्धन करते हुए द्वितीय मील के पत्थर के कुछ प्रमुख चिह्नों से लोगों को अवगत कराया तथा सभी मूलगतिविधियों ख़ासकर प्रार्थना का महत्व एवं उसके प्रभाव के साथ–साथ समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य व प्रभुधर्म में आस्था रखने वाले मित्रों के दायरे को बढ़ाने यथा–प्रसार एवं सुगठन की प्रक्रिया को गतिज़ता प्रदान करने से संबद्ध अनेक पहलुओं पर मित्रों का मार्गदर्शन किया तथा शिक्षकों का प्रारंभिक संवर्ग तैयार करने हेतु यथाशीघ्र अभियान एवं युवा सम्मिलन आयोजित करने की बात बताई। साथ ही, क्लस्टर विकास समिति के गठन की अनिवार्यता को आत्मसात् करते हुए किसी एक समुदाय को गहन गतिविधि का केन्द्र बनाने पर बल दिया। प्रसार चरण के अन्तर्गत 5 शिक्षण दल बनाये गये, जिसमें 20 मित्रों को शामिल किया गया तथा इसे 20 मित्रों की मदद से 25 परिवार के कुल 125 लोगों को प्रभुधर्म का संदेश देने तथा 25 घोषणा–पत्र प्राप्त करने व 10 लोगों को संस्थान प्रक्रिया से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। ज्ञातव्य हो कि समीक्षा बैठक पूर्णतः व्यवस्थित एवं आत्मनिर्भर रही।



राजगीर में आयोजित समीक्षा बैठक के प्रतिभागी

शेष पृष्ठ 3 पर

देहरादून में अध्ययन कार्यक्रम का आयोजन

देहरादून की स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा द्वारा 25 नवम्बर, 2018 को पूरे दिन का अध्ययन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अनेक महत्वपूर्ण विषयों जैसे बहाई प्रशासन और सामुदायिक गतिविधियों के अलावा बहाई जीवन जीने जैसे विषयों के बारे में चर्चा की गई।

सुबह के सत्र में बहाई प्रशासनिक प्रणाली के उद्भव और विकास के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा के बाद "लाइट टू द वर्ल्ड" (विश्व का पथ प्रदर्शक) फिल्म दिखाई गई। इसके बाद अब्दुलबहा की वसीयत और इच्छापत्र, धर्मसंरक्षक की नियुक्ति, धर्मभुजा, और विश्व न्याय मन्दिर के चुनाव और गठन के बारे में बताया गया।

सुबह के सत्र में ही जिन विषयों पर चर्चा हुई उनमें प्रमुख थे बहाई चुनाव, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के पदाधिकारियों के कर्तव्य, 19–दिवसीय सहभोज सभा का महत्व, उत्सवों और पावन दिवसों का आयोजन, वर्तमान में चल रही मूलगतिविधियों का महत्व और बहाई कैलेण्डर, व्यक्तिगत रूप से बहाईयों के कर्तव्य, सामाजिक और निजी जीवन में बहाईयों के आचरण और प्रभुधर्म के संदेश को निरन्तर देते रहने की आवश्यकता।

शाम के सत्र के दौरान हुकूकुल्लाह के भुगतान पर भी चर्चा की गई। प्रत्येक बहाई को सेवा की निजी योजना बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

दोपहर के सत्र में शामिल विषयों में बहाई चुनावों की पवित्रता और प्रक्रिया, पदाधिकारियों के कर्तव्य, उन्नीस दिवसीय सहभोज, त्यौहार तथा पवित्र दिन और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ–साथ वर्तमान में मूल–गतिविधियाँ शामिल थीं। बदी कैलेंडर के कार्यान्वयन के बारे में संलग्न सामग्री के साथ विश्व न्याय मन्दिर के संदेशों की प्रति प्रतिभागियों को दी गई। इसके अलावा, प्रतिभागियों को लिखने के लिए सामग्री प्रदान की गई और प्रत्येक विषय पर चर्चा के बारे में टिप्पणी लिखने को प्रोत्साहित किया गया।

अंतिम सत्र सामाजिक और निजी जीवन में व्यक्तिगत कर्तव्यों, साथ ही, सबसे महत्वपूर्ण दायित्व प्रभुधर्म के शिक्षण पर समर्पित था। हुकूकुल्लाह विधान पर भी चर्चा की गई। एक बार फिर प्रतिभागियों को 'किताब–ए–अक़दस' के विधानों की संहिताकरण' की प्रतियाँ दी गईं और उन्हें चर्चा के बारे में टिप्पणी लिखने को प्रोत्साहित किया गया।

प्रतिभागियों के बीच भविष्य की योजनाओं को बनाने के तरीके के बारे में एक संक्षिप्त परामर्श और चर्चा के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

सूचना

आप सभी को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि एशिया के महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने निम्नलिखित मित्रों को सहायक मण्डल सदस्य (प्रचार) के लिए नियुक्त किया है :

श्री सना मोतलबी	महाराष्ट्र एवं गोवा
श्री सदाशिव कमलापुरे	महाराष्ट्र एवं गोवा
श्रीमती दीपा नियोगी	त्रिपुरा
श्री गुपल अचार्जी	त्रिपुरा
श्री मनोज कुमार	उत्तरप्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखंड

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने निम्नलिखित मित्रों :

सुश्री त्रिशा अध्या	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
श्रीमती अग्राणी सेन	त्रिपुरा
श्री राजीब शील	त्रिपुरा

को सहायक मण्डल सदस्य के रूप में उनके द्वारा दी गईं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें उनके दायित्व से मुक्त कर दिया है।

समाचारचित्र



जयपुर, सांगानेर के श्री बनवारी चंदवाड़ा का विवाह जयपुर निवासी सुश्री मंजु कुन्हारे के साथ 19 नवम्बर, 2018 को बहाई विधि विधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा जयपुर के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अनेक बहाई मित्रगण शामिल हुए।



राज्य बहाई परिषद कर्नाटक की सदस्या सुश्री नागाश्री का विवाह श्री बी. नटराज के साथ बंगलूरू में 15 दिसम्बर, 2018 को बहाई विधि विधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में लगभग 500 मित्रगण शामिल हुए।



महाराष्ट्र के कल्याण में श्रीमती ज्योत्सना पवार के निवास पर 9 दिसम्बर, 2018 को हुकूकुल्लाह पर एक कक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें भिवंडी, नासिक, मुम्बरा, टाटा पावर, कंबलपाडा, कल्याण और कोनगॉन से लगभग 16 मित्रों ने भाग लिया। उपस्थित मित्रों ने हुकूकुल्लाह के विषय में अनेक प्रश्नों को पूछा जिनके संतोषजनक उत्तर दिये गये। मित्रों ने अपनी अंतर्दृष्टि और समझ को एक–दूसरे के साथ साझा किया।

तमाड़ क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न

झारखण्ड के तमाड़ क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक रायडीह समुदाय में 25 नवम्बर 2018 को हर्षोउल्लास के साथ संपन्न हुई। साथ ही, तमाड़ प्रथम मील के पत्थर को पार करके दूसरे मील के पत्थर पर पहुँच चुका है। इस बैठक इस बैठक के उद्देश्य को उपस्थित मित्रों के साथ साझा किया गया। वर्तमान में कुल यहाँ पर 48 गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। परिषद सचिव ने तमाड़ में प्रभुधर्म के प्रवेश पर प्रकाश डालते हुए मूल–गतिविधियों की महत्ता,



तमाड़ क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक

में समुदाय के बच्चों, किशोरों, युवाओं तथा अभिभावकों को मिलाकर लगभग 180 मित्रों ने भाग लिया। इस उत्सव में सहायक मंडल सदस्य, परिषद सचिव, राज्य स्तरीय बहाई बाल कक्षा और किशोर समूह संयोजक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारी अनुप्रेरकों एवं शिक्षकों द्वारा की गयी थी। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों, किशोरों द्वारा भक्तिमय वातावरण में प्रार्थनाओं एवं उद्धरणों से की गई। तत्पश्चात परिचय सत्र को आगे बढ़ाते हुए आध्यात्मिक एवं भौतिक शिक्षाओं के महत्व को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों, किशोरों और युवाओं द्वारा कलात्मक एवं प्रेरणादायक नृत्य एवं नाटक प्रस्तुत किये गये, जिसमें स्वच्छता, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की सीख अपने नाटकों के माध्यम से उन्होंने देने का प्रयास किया। कुछ अनुप्रेरकों और अभिभावकों ने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया और बताया कि क्या बदलाव हुए हैं।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर

जैसे–जैसे दुनिया के हर भाग में प्रभुधर्म के कार्य फैलते जा रहे हैं वैसे–वैसे बहाई विश्व केन्द्र की प्रभावशाली कार्यविधि का महत्व बढ़ता जा रहा है। प्रभुधर्म के विश्व केन्द्र का वर्णन शोगी एफेंदी द्वारा कुछ इन शब्दों में किया गया है : विश्व केन्द्र "नई विश्व व्यवस्था की एजेंसियों की धुरी है," यह विविध देशों से आये अनुयायियों के निरन्तर प्रवाह से सम्बलित है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा की एक निश्चित अवधि के लिये आते हैं, जो अवधि भिन्न–भिन्न हुआ करती है। विश्व केन्द्र में स्टॉफ की ज़रूरत विभिन्न कामों के लिये होती है, जो उपलब्ध संसाधनों और बढ़ती हुई ज़रूरतों के आधार पर निर्भर करते हैं। किसी ख़ास समय में सुयोग्य और प्रशिक्षित व्यक्तियों की ज़रूरत होती है। तो किसी अन्य समय में सामान्य काम–काज के लिये ज़रूरत होती है। विश्व केन्द्र में सेवा की प्रकृति के कारण 12 महीने या अधिक समय के लिये यह ज़रूरत पड़ती है। इच्छुक व्यक्ति को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिये।

सेवा देने के इच्छुक किसी भी मित्र को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि वह सीधे तौर पर अपना आवेदन https:/bahai.bwc.org/service/ पर भेज कर कार्मिक विभाग से सम्पर्क करे।

बिहार में आयोजित समीक्षा बैठकों की झलक

पृष्ठ 1 का शेष

• ज़हानाबाद क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक 25 नवम्बर, 2018 को फ़िरोजी समुदाय के देवी स्थान में सम्पन्न हुई, जिसमें 3 समुदाय से लगभग 150 मित्रों ने भाग लिया। कुल उपस्थित प्रतिभागियों में आधी संख्या बच्चों एवं किशोरों की तथा आधी संख्या युवा एवं वयस्कों की थी।

संस्थान दल के युवाओं द्वारा संचालित उक्त बैठक में प्रार्थनोपरांत बच्चों की कक्षा के शिक्षकों ने जहाँ एक ओर अपनी कक्षा से संबंधित अपना अनुभव साझा किया वहीं दूसरी ओर किशोर समूह कक्षा के अनुप्रेरक ने *'सम्पुष्टि की सुरभि'* के बारे में अपने प्राप्त अनुभव से उपस्थित प्रतिभागियों को अवगत कराया।

भर में संचालित बहाई गतिविधियों तथा सोल के कार्यक्रम संयोजक, श्री संदीप कुमार मल्लिक ने बहाई धर्म एवं उसकी मूलभूत शिक्षाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

श्री दीपेन्द्र कुमार चन्दन ने भी बच्चों की कक्षाओं पर प्रकाश डाला।

• मालती समुदाय के स्थानीय पत्रकार श्री संजय कुमार के निवास पर 100 से अधिक मानवात्माओं के साथ प्रथम समीक्षा बैठक का आयोजन भव्य एवं मनमोहक तरीके से 2 दिसम्बर, 2018 को किया गया।

परिषद सचिव, श्री ओम नमः शिवाय सिंह, सहायक मंडल सदस्य श्री रजनीश सिंह एवं श्री राहुल कुमार की विशेष उपस्थिति तथा



जहानाबाद क्लस्टर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान प्रार्थनायें करते हुए किशोर और बच्चे

बैठक में बहाई बाल कक्षा तथा किशोर समूह कक्षा के संदर्भ में विस्तारपूर्वक लोगों को जानकारी दी। इसी परिपेक्ष्य में स्थानीय मित्रों द्वारा ज़हानाबाद क्लस्टर की विकास यात्रा के बारे में बताया गया।

सम्प्रति, यहाँ 8 बहाई बाल कक्षा, 3 किशोर समूह कक्षा, 4 अध्ययनवृत कक्षा तथा 21 नियमित प्रार्थना सभा की संख्या है, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या क्रमशः 78, 21, 28 एवं 170 है।

विदित हो कि पुनपुन ग्रुप ऑफ़ क्लस्टर का यह पाँचवां क्लस्टर है, जिसने द्वितीय मील के पत्थर को पार किया है। यहाँ 7 मित्रों का एक कोर समूह भी है जो शैक्षिक एवं समुदाय निर्माण की प्रक्रिया को आगे ले जाने में मित्रों की मदद कर रहे हैं।

बैठक में उपस्थित लोगों को राज्य बहाई प्रशिक्षण संस्थान के सचिव, श्री राहुल कुमार ने दुनिया

श्री शम्भू शरण सहनी की अध्यक्षता में उक्त बैठक की शुरूआत् प्रार्थना एवं मित्रों के परिचय से हुई। समीक्षा के क्रम में अध्ययनवृत कक्षा के प्रतिभावान युवा प्रतिभागी श्री मंतोष कुमार ने रूही पुस्तक–1 के अध्ययन से संबद्ध अपने प्राप्त अनुभवों से लोगों को विस्मित कर दिया। बैठक में उपस्थित परिषद सचिव ने मित्रों को समुदाय निर्माण की प्रक्रिया, बहाई धर्म, बहाई सिद्धांत, सम्पूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक रूपातंरण में व्यक्ति, समुदाय एवं संस्था की भूमिका से अवगत कराया। इसी प्रकार, सहायक मंडल सदस्य ने भी शैक्षिक प्रक्रियान्तर्गत संचालित सभी मूलगतिविधियों एवं युवा सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किये। मौके पर उपस्थित मुखिया, श्री राजेन्द्र प्रसाद ने भी अपने उदगार व्यक्त किये तथा मौजूदा परिस्थिति में बहाई धर्म को प्रासंगिक बताया।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

टेराखोंग में बच्चों के लिए समारोह

मणिपुर में स्थानीय आध्यात्मिक सभा टेराखोंग और कुंबी के संयुक्त प्रयासों द्वारा मूल–गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों और युवाओं के लिए टेराखोंग में 16 दिसम्बर, 2018 को बच्चों के लिए एक समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह एक समुदाय भवन में रखा गया। इसमें भी आमंत्रित किया गया। उसी दिन किसी अन्य स्थान पर दूसरा कार्यक्रम होने के कारण अभिभावकों की संख्या कम रही। प्रार्थनाओं के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। उसके बाद शिक्षकों और बच्चों द्वारा भक्तिपरक गीत प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के गीत और कहानी



टेराखोंग में बच्चों के लिए आयोजित समारोह के प्रतिभागी

लगभग 75 मित्रों ने भाग लिया, जिनमें बच्चों की बहाई कक्षा के क्षेत्रीय संयोजक, संबंधित सहायक मण्डल सदस्य, परिषद सचिव और समुदाय भवन के आसपास के ऐसे बच्चों और युवाओं, जो मूल–गतिविधियों में शामिल नहीं हैं, उनको प्रस्तुत किए गए। शिक्षकों ने कक्षायें संचालित करने के अपने अनुभव साझा किए। प्रस्तुति देने वाले सभी प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे और उन्होंने महसूस किया कि इस प्रकार के समारोह प्रत्येक छह महीने में होने चाहिए।



प्राइम टाइम रिसर्च मीडिया द्वारा नई दिल्ली में 27 अक्टूबर 2018 को बिहार के डॉ. दानेश आभा बीडीएमएस (बीयू), एमडी (मेडिसिन) (बीयू) को "उत्कृष्ट होम्योपैथी" की श्रेणी में सेवा देने के लिए 'ग्लोबल हेल्थकेयर उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पद्मश्री डॉ जे. सिंह ने प्रदान किया। डॉ दानेश ने "ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल – चुनौतियों और सुझावों" पर एक वक्तव्य भी दिया। छठवें ग्लोबल हेल्थकेयर उत्कृष्टता पुरस्कार से 90 डॉक्टरों – 30 एलोपैथिक, 30 होम्योपैथिक और 30 आयुर्वेदिक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

कोष सम्वर्धन प्रभाग से

केवल आपको ही नई विश्व सभ्यता के निर्माण में आर्थिक योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त है

''कोष में दान देना....एक आध्यात्मिक सौभाग्य है और यह सौभाग्य उन्हें नहीं प्राप्त है जिन्होंने बहाउल्लाह को नहीं स्वीकार किया है। अतः, किसी भी अनुयायी को इससे इन्कार नहीं करना चाहिये। यह एक उत्तरदायित्व और आशीष का एक स्रोत, दोनों है। हम ऐसा महसूस करते हैं कि यह प्रभुधर्म का एक ऐसा पक्ष है जो नये अनुयायियों के आधारभूत शिक्षण और दृढ़ीकरण का आवश्यक अंग है। दान का महत्व देने वाले के त्याग की भावना पर निर्भर करता है, उस समर्पण के भाव पर निर्भर करता है जिस आस्था के साथ वह दान देता है तथा सेवा के क्षेत्र में जिस एकता का प्रदर्शन वह करता है, उस पर निर्भर करता है; ये बातें ईश्वर की सम्पुष्टि आकर्षित करती हैं तथा व्यक्ति और समुदाय का आत्म–सम्मान बढ़ाती है।''

–शोगी एफेंदी

''जो यह चाहता हैं कि प्रभुधर्म विकास करे वैसे बहाउल्लाह के प्रत्येक जागरूक तथा आज्ञाकारी सेवक का यह पावन कर्तव्य है कि वह स्वतंत्रतापूर्वक तथा उदारता के साथ कोष के संवर्धन में अपना योगदान दे।''

''दान की राशि का उतना महत्व नहीं है, अपितु महत्व इस बात का है कि कितने त्याग की भावना इसमें निहित है, क्योंकि यही ईश्वर की सम्पुष्टि आकर्षित करती है।''

–विश्व न्याय मंदिर

हम कोष में दान क्यों देते हैं ?

प्रत्येक बहाई को चाहे वह अपने को कितना भी दीन–हीन क्यों न पाता हो, अवश्य यह महसूस करना चाहिये कि उसके कंधों पर कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। उसे यह अवश्य ही भरोसा होना चाहिये कि बहाउल्लाह की विश्व–व्यवस्था में एक अनुयायी के रूप में उसका आध्यात्मिक विकास अधिकांशतः इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस अनुपात में दान देता है और किस प्रसन्नता के साथ भौतिक रूप से प्रभुधर्म की दिव्य संस्थाओं को सहयोग प्रदान करता है। केवल प्रभुधर्म के प्रति सच्ची आस्था तथा इसके लिये त्याग की भावना से ही हम आध्यात्मिक विकास कर पायेंगे। दरिद्रता का भय कोष में त्यागपूर्वक दान देने में बाधक नहीं बनना चाहिये, क्योंकि समस्त अच्छाइयों के स्रोत की सहायता का आश्वासन हमें प्राप्त है।

''ईश्वर किसी व्यक्ति से उससे सामर्थ्य से अधिक की अपेक्षा नहीं रखता। यह दान अवश्य ही सभी नगरों और गाँवों से ईश्वर में आस्था रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति की ओर से आना चाहिये।''

–अब्दुल–बहा

कुल पृष्ठ संख्या–4 | बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.1. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)